5.2.5

1. सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालयस्य अनेके छात्राः इतराभिः निजीसंस्थाभिः प्रचाल्यमानासु विविधासु वेदशास्त्रादि परीक्षासु भागं गृहित्वा सफला भूत्वा उत्तरोत्तरं अभिवृद्ध्यर्थं प्रयतन्ते।
2. तदर्थं गुरुकुल पद्धत्या अध्ययनं कृतवतां शास्त्राध्येतृणां विश्वविद्यालयीय अध्यापाकानां माध्यमेन शिक्षणस्य प्रशिक्षणस्य च व्यवस्था, विशेषतः विश्वविद्यालयीय कक्ष्यानन्तरं स्वगृहे विशेषरूपेणापि अध्यापनं क्रियते। यथा डा0 कुप्पा बिल्वेश शर्मा (सहायकाचार्यः व्याकरणविभागः), तेषां सकाशात् त्रयः छात्राः अनुराग त्रिपाठी, दिवाकर अधिकारी प्रभृतयः प्रसिद्ध तेनाली परीक्षासु भागं ग्रहीतुं उत्तरदेशात् दक्षिणदेशं गच्छन्ति।
3. एवं वेदे विशेषतः स्वर प्रशिक्षणं, कर्मकाण्ड प्रशिक्षणं,पौरोहित्य प्रशिक्षणं, डा0 विजय कुमार शर्मा, (सहायक आचार्यः, वेद विभाग) द्वारा बहूनां छात्राणां क्रियमाणं वर्तते। ते सर्वे छात्राः "महर्षि, सान्दीपनी राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान "(उज्जैन ) इत्यादि संस्थासु भारतस्य अनेक निजीयसंस्थासु परीक्षार्थं गच्छन्ति।
4. एवमेव श्रौत विद्याभ्यासेपि डा0 ज्ञानेन्द्र सापकोटा (सहायकचार्य, व्याकरण विभाग) द्वारा विशेषरूपेण छात्राः शिक्षिताः भवन्ति।
5. संस्कृतभारत्या प्रचाल्यमान अनेकविधशलाकादि परीक्षासु छात्राः भागं गृह्णन्ति। आसु परीक्षासु उत्तीर्णाः छात्राः अनेकानि पुरस्कारणि प्राप्य संस्थायाः शोभां वर्धयन्ति।
6. केन्द्रीयसंस्कृत विश्वविद्यालयेन प्रतिहायनं प्रचाल्यमान " अन्ताराष्ट्रिय प्रतियोगितासु भागं गृहीत्वा प्रथम ग्रेण्यादिषु उत्तीर्णा भवन्ति।
7. छात्राणं व्युत्पत्ति वर्धनाय प्रति गुरुवारं "भारतीय ज्ञान वैभव समुल्लासः" इति नाम्ना एकः कार्यक्रमः डा0 कुप्पा बिल्वेश शर्मणां (सहायकाचार्यः व्याकरणविभागः) पर्यवेक्षणे आयोज्यते। तत्र अनेके विद्यार्थिनः भागं गृहीत्वा शास्त्रार्थान् सोत्साहं उपस्थापयन्ति।
8. एवं प्रतिमासं काशीहिन्दूविश्वविद्यालयस्थ मालवीयभवने प्रचाल्यमान " श्रीकाशीशास्त्रार्थसभायां" अपि प्रतिमासं छात्राः भागं गृहीत्वा, वाक्यार्थान् उपस्थापयन्ति।

भारतीयशिक्षणमण्डलगुरुकुलप्रकल्प-
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालययोस्तत्त्वावधानेन
समायोजिता

# मासिकशास्त्रार्थसभा

(१७)

www.facebook.com/vcssvvofficial

दिनाङ्कः- २२ मार्च २०२१ मध्याह्ने १ वादनतः
स्थानम् –वाग्देवीमन्दिरम् ,सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः

**अध्यक्षः- आचार्यः राजारामशुक्लः**
कुलपतिः,
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः,
वाराणसी

**संयोजकः- आचार्यः रामकिशोरत्रिपाठी**
वेदान्तविभागाध्यक्षचरः
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः,
वाराणसी

## शास्त्रार्थविषयाः

| संख्या | शास्त्रम् | वक्ता | विषयः |
|---|---|---|---|
| १ | व्याकरणम् | श्री शिवदत्तत्रिपाठी | तस्यापत्यम् (कौमुदी) |
| २ | न्यायः | श्री गुरुचरणदासः | मङ्गलार्थः (रामरुद्री) |
| ३ | साहित्यम् | श्री वसन्त कोईरालाः | काव्यलक्षणम् (साहित्यदर्पणः) |
| ४ | व्याकरणम् | श्री गोविन्द पौडेलः | व्याख्यानतो विशेषप्रतिपत्तिः (भूतिः) |
| ५ | न्यायः | श्री श्रीकृष्णभूर्तेलः | पूर्वपक्षव्याप्तिः |
| ६ | व्याकरणम् | श्री सुदर्शनगौतमः | अर्थवत्त्वम् (वरवर्णिनी) |

भारतीयशिक्षणमण्डल-संपूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालययोः
तत्त्वावधानेन समायोजिता

# काव्यकल्लोलिनी

युवकविसम्मेलनम् (द्वितीयः कल्लोलः)

LIVE

17 अक्तूबर 2020, सायं 5 वादनतः

www.facebook.com/bsmbharat

अध्यक्षः - आचार्यः राजारामशुक्लः
कुलपतिः, सपूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः

संयोजकः डा. श्रीनाथधर द्विवेदी
केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, हिमाचलपरिसरः

## आमन्त्रिताः कवयः

कु. श्रुति कानिटकर
भारतीय-प्रौद्योगिकी-संस्था
(IIT Bombay)

डा. रामकृष्ण पेजत्तायः
चिन्मयविश्वविद्यापीठम्,
(मानितविश्वविद्यालयः)
कोच्चि, केरलः

डॉ. कृष्णमोहन पाण्डेयः
आदर्श-संस्कृत-महाविद्यालयः
ऊना, हिमाचल-प्रदेशः

श्रीमती वीणा हेगडे
संस्कृत-सवर्धन-प्रतिष्ठानम्,
बेङ्गलूरुः

भारतीयशिक्षणमण्डलगुरुकुलप्रकल्प-
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालययोस्तत्त्वावधानेन
समायोजिता

# मासिकशास्त्रार्थसभा

(१४)

LIVE
www.facebook.com/vcssvvofficial

दिनाङ्कः- ०३ दिसम्बर २०२० मध्याह्ने १२ वादनतः
स्थानम्- वाग्देवीमन्दिरं, सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः

**अध्यक्षः- आचार्यः राजारामशुक्लः**
कुलपतिः,
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः,
वाराणसी

**संयोजकः- आचार्यः रामकिशोरत्रिपाठी**
वेदान्तविभागाध्यक्षचरः
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः,
वाराणसी

## शास्त्रार्थविषयाः

| संख्या | शास्त्रम् | वक्ता | विषयः |
|---|---|---|---|
| १ | व्याकरणम् | श्री शिवदत्तत्रिपाठी | शब्दार्थतादात्म्यम् (लघुमञ्जूषा) |
| २ | मीमांसा | श्री सुदर्शनगौतमः | विरोधाधिकरणम् (भाट्टदीपिका) |
| ३ | न्यायः | श्री अनुकूलढकालः | पूर्वपक्षव्याप्तिः (मुक्तावली) |
| ४ | व्याकरणम् | श्री यदुपतिः | प्रातिपदिकार्थः (पर्वतीयटिप्पणम् ) |
| ५ | न्यायः | श्री सात्विकः | वायुलक्षणम् (तर्कसंग्रहः) |
| ६ | वेदान्तः | श्री ईश्वरचैतन्यः | स्वप्रकाशत्वम् (चित्सुखी) |

भारतीयशिक्षणमण्डलगुरुकुलप्रकल्प-
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालययोस्तत्त्वावधानेन
समायोजिता

# मासिकशास्त्रार्थसभा

(१५)

दिनाङ्कः-०५ जनवरी २०२१ मध्याह्ने १२ वादनतः

www.facebook.com/vcssvvofficial

स्थानम्- वाग्देवीमन्दिरं, सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः

**अध्यक्षः- आचार्यः राजारामशुक्लः**
कुलपतिः,
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः,
वाराणसी

**संयोजकः- आचार्यः रामकिशोरत्रिपाठी**
वेदान्तविभागाध्यक्षचरः
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः,
वाराणसी

## शास्त्रार्थविषयाः

| संख्या | शास्त्रम् | वक्ता | विषयः |
|---|---|---|---|
| १ | व्याकरणम् | श्री गोविन्दपौडेलः | कार्यमनुभवन् हि कार्यी... |
| २ | ज्यौतिषम् | श्री अमितपाण्डेयः | गणितं मूर्धनि स्थितम् |
| ३ | व्याकरणम् | केदारेश्वरशर्मा | मघवा बहुलम् (सिद्धान्तकौमुदी) |
| ४ | न्यायः | श्रीशिवप्रसादशुक्लः | सिद्धान्तव्याप्तिः (मुक्तावली) |
| ५ | व्याकरणम् | दुर्गाप्रसादमिश्रादयः | पूर्वत्रासिद्धम् (मनोरमा) |
| ६ | वेदान्तः | श्री रामकृष्णः | जीवब्रह्मस्वरूपम् (सिद्धान्तबिन्दुः) |

भारतीयशिक्षणमण्डलगुरुकुलप्रकल्प-
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालययोस्तत्त्वावधानेन
समायोजिता
काव्यकल्लोलिनी
संस्कृतयुवकविसम्मेलनम्
(नवमः कल्लोलः)
सा विद्या या विमुक्तये
LIVE
www.facebook.com/vcssvvofficial
21 मई 2021
सायम् 5 वादनतः
अध्यक्षः - आचार्यः राजारामशुक्लः
कुलपतिः, सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी
संयोजकः - डॉ. श्रीनाथधरद्विवेदी
केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, हिमाचलपरिसरः
आमन्त्रिताः कवयः
मुदिता
सहायकाध्यापिका
बेसिकशिक्षाविभागः,
लखीमपुर खीरी, उत्तरप्रदेशः।
डॉ. परमानन्द झा
उपप्रधानाचार्यः,
दिल्लीशिक्षानिदेशालयः,
द्वारका , दिल्ली।
डॉ. प्रवीणमणित्रिपाठी (शान्तेयः)
सहाचार्यः, शिक्षाशास्त्रविभागः,
रामेश्वरम् इन्स्टिट्यूट आफ्
एजुकेशन एण्ड ट्रेनिंग् लखनऊ।
डॉ.सुशील कुमार तिवारी
संस्कृताध्यापकः
महात्मागाँधीइण्टरकालेज,
कन्नौजः, उत्तरप्रदेशः।
श्री नीरजवामनदांडेकरः
सहायकशिक्षकः,
नाईकविद्यालयः बदलापुरम्,
डोंबिवली, जि. ठाणे,
महाराष्ट्रः।

# सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी

## भारतीयज्ञानवैभवसमुल्लासः

(प्रतिगुरुवासरं सायं 7.00प्रभृति8.30पर्यन्तम् अन्तर्जालकार्यक्रमः)

## द्वादशम् कुसुमम्

## विषयः - बीजगणिते मध्यमाहरण-निरूपणम्।

**Tejas Kulkarni**
**H.O.D**
**Dep.Ganitam**
**Shree Aadi parshwanath jain**
**Arya sanskar Gurukulam**
**Chennai**

संरक्षकाः
**Prof.Hareram Tripathi**
**Vice Chancellor**
**S.S.V.V**
**Varanasi**

उपस्थितिः
**Dr. Vanishri Bhat**
**Lecturer**
**National Sanskrit**
**University**

दिनाङ्कः **- 24-03-2022**
समयः **- 6.30-8.00**
**Zoom I'd-857 6363 4635**
**Password-ssvv1791**

संयोजकः
**Dr.Kuppa Bilwesha Sharma**
**Assistant Professor**
**Dep.Vyakaranam**
**S.S.V.V**
**Varanasi**

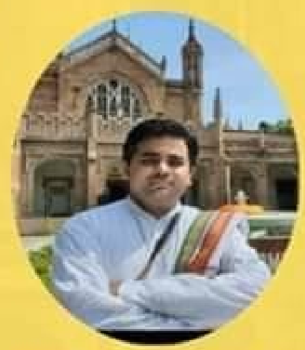

स्वागतिको-धन्यवादसमर्पकश्च
**Dr. Madhusudan Mishra**
**Asst. Professor**
**Dep.Jyotisham**
**S.S.V.V**
**Varanasi**

सहभागिनः - विश्वविद्यालयस्य अध्यापकाः

Registrar

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

# सद्धेतु एवं असद्धेतु का ज्ञान आवश्यक- डॉ.कुंज बिहारी

## अंतर्राष्ट्रीय वेब कार्यशाला में 430 प्रतिभागी शामिल

वाराणसी (काशीवार्ता)। सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय में सात दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय वेब कार्यशाला के पांचवे दिन न्याय शास्त्री डॉ कुंज बिहारी द्विवेदी ने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि तत्व के निश्चय एवं विजय की प्राप्ति के सद्धेतु एवं असद्धेतु दोनों का ज्ञान आवश्यक है। व्याप्ति एवं पक्ष धर्मता से युक्त हेतु को सद्धेतु तथा व्याप्ति या पक्ष धर्मता से रहित हेतु को असद्धेतु कहते हैं। कहाकि हेत्वाभास के लक्षण का परिष्कार करते हुये हेत्वाभास के पाँच प्रकार हैं और उनका स्थल भी अलग-अलग है उसमें समन्वय करने के लिये तीन लक्षण का ग्रंथ में कथन है। अध्यक्षता करते हुये कुलपति प्रो.राजाराम शुक्ल ने कहा सद्धेतु को जानने के बाद असद्धेतु के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न होती है और दुष्ट को जानने के लिये दोष का ज्ञान पहले होना चाहिये इसलिये दोष के लक्षण का निर्वचन किया गया। कार्यक्रम संयोजक प्रो.रामपूजन पांडेय ने कहाकि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के इस कार्यशाला में लगभग 430 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। धन्यवाद व संचालन आचार्य डॉ. दुर्गेश पाठक ने किया। कार्यक्रम में न्यूजीलैण्ड, नेपाल, तिब्बत, बिहार, महाराष्ट्र, बंगाल, उड़ीसा,

भोपाल, उत्तरांचल, केरल, गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, हिमांचल प्रदेशों के देश विदेश के युवा विद्वानों ने प्रतिभाग किया।

## शिक्षा है अनमोल रतन –वसीम अहमद

चंदौली। अल हनीफ एजुकेशन के चेयरमैन हाजी वसीम अहमद खान ने कहा कि शिक्षा है अनमोल रतन आधी रोटी खाइए लेकिन अपने बच्चों को शिक्षा जरूर दिलवाएं, पढ़ाई लिखाई इंसान के जीवन में बदलाव लाती है। उन्होंने कहा कि खासकर मुस्लिम समाज

## बलिया: 1
## गये घर,

# साध्य का विरोध ही नहीं अपितु हेतु का विरोध भी आवश्यक-कुलपति

## सात दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय वेब कार्यशाला में कई देशों के प्रतिभागियों ने किया प्रतिभाग

वाराणसी (काशीवार्ता)। सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय में आयोजित सात दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय वेब कार्यशाला के अन्तिम दिन रविवार को तिरुपति राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रो.कृष्णा विश्वनाथ शर्मा ने कहा की बाध नामक हेत्वाभास एक महान दोष कहा जाता है। यह अनुमिति रूपी कार्य का प्रतिबन्धक होता है। कहा कि समस्त पृथ्वी में गन्ध नामक गुण रहता है परंतु जो घट उत्पन्न ही हुआ उसमें गन्ध नहीं माना जाता है। अतः घट में गन्ध की सिद्धि करने पर बाध दोष होता है। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुये कुलपति प्रो.राजाराम शुक्ल ने कहाकि दोष का ज्ञान इसलिये जरूरी है ताकि उसे त्यागा जा सके। केवल साध्य का विरोध ही नहीं अपितु हेतु का विरोध भी आवश्यक है।

कार्यशाला के समापन पर कुलपति ने कहाकि ऐसे कार्यशाला होते रहने से विषयगत स्थितियाँ स्पष्ट होती हैं। साथ ही अन्वेषित भाव भी जागृत होता है। कार्यशाला में देश विदेश के युवाओं ने प्रतिभाग कर निश्चित ही शास्त्रों के प्रति अपने जिज्ञासा को शान्त करने का प्रयास किया। प्रो रामपूजन पाण्डेय ने सभी का स्वागत और धन्यवाद व्यक्त किया। कहाकि आज विद्यार्थियों को ऐसे कार्यशालाओं की आवश्यकता है। कार्यक्रम का संचालन डा. कुन्ज बिहारी द्विवेदी ने तथा धन्यवाद डॉ दुर्गेश पाठक ने किया।

## श्रमिक स्पेशल व बसों से बलिया पहुंचे प्रवासी कामगार

बलिया। उनके चेहरे सफर की दुर्दशा की कहानी बयां कर रहे थे, उन्हें देखने से ऐसा लग रहा था, मानो वे महीनों से भूखे-प्यासे हों। रविवार को दिल्ली, पंजाब, महाराष्ट्र से आने वाली श्रमिक स्पेशल ट्रेनों से 550 प्रवासी कामगार बलिया पहुंचे। इन कामगारों ने यात्रा की व्यथा बयां की। सुरेमनपुर के राम दरश ने बताया कि ट्रेन में सवार अधिकतर श्रमिक चैनपुलिंग कर रास्ते में ही कहीं उतर गए।

संपूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः,वाराणसी
व्याकरणविभागः
व्याकरणदर्शनव्याख्यानमालायाः
तृतीयं कुसुमम्
विषयः- व्याकरणशास्त्रस्य दार्शनिकं स्वरूपम्
अध्यक्षः
Prof.Hareram Tripathi
Vice Chancellor
S.S.University
Varanasi
मुख्यातिथिः
Prof.Vishnu Nambudri
Dep.Vyakaranam
A.S.S.University
Kalady, Kerala
मुख्यवक्ता
Prof.LalitKumar Tripathi
Director
Ganganath.Jha Campus
Central University
Prayagraj
दिनाङ्कः - 26-6-21
समयः - 7:00 P.M
Joining Info-Zoom
Meeting ID-8810625163
Password-031153
संयोजकः
Dr.Kuppa Bilwesha Sharma
Asst.Professor
Dep.Vyakaranam
S.S.University
Varanasi
स्वागतिको विषयप्रवर्तकश्च
Prof.Brajbhushan Ojha
H.O.D, Dep.Vyakaranam
S.S.University
Varanasi
धन्यवादसमर्पणम्
Sriman Nitin Arya
विभागीयसहभागिनः
Dr.DiyvaChetana Bramhachari
Dr.Gnanendra Sapkota
Dr.Vijendra Arya

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय,वाराणसी
वेदविज्ञानव्याख्यानमाला-४६
f LIVE
Facebook.com/VCSSVVOfficial
वर्तमान परिप्रेक्ष्य में
वैदिक विज्ञान की उपादेयता
माननीय राजदूत श्री अखिलेश मिश्र
सचिव
विदेश मन्त्रालय
भारत सरकार
दिनांक- १७/०४/२०२१
समय - ६:०० सायम्
आयोजक- वेदविज्ञान अनुसन्धान केन्द्र

.

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
वेदविज्ञानव्याख्यानमाला-४३
Facebook.com/VCSSVVOfficial
होली पर्व की ऐतिहासिकता
एवं
वैज्ञानिकता
आचार्य डॉ० कृष्णकान्त झा
अध्यक्ष, संस्कृत विभाग
महाराज लक्ष्मीश्वर सिंह महाविद्यालय, मधुबनी
(सम्बद्ध - ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा, बिहार)
दिनांक- २५/०३/२०२१
समय - ६:०० सायम्
आयोजक- वेदविज्ञान अनुसन्धान केन्द्र

# संम्पूणार्नंद संस्कृत विश्वविद्यालय मेंनारी शक्ति का हुआ सम्मान

**डेली वर्ल्ड रिपोर्टर/वाराणसी**

वाराणसी। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के बौद्ध सभागार में विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में मिशन शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को माल्यार्पण कर सम्मान पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी ने मिशन शक्ति के समस्त उद्देश्यों को इंगित करते हुए कहा कि समाज में किसी स्तर पर होने वाले महिलाओं के प्रति अन्याय के प्रतिकार के लिए महिला एवं पुरुष दोनों को ही आगे आना होगा। भारतीय संस्कृति विश्व मे सबसे उच्च संस्कृति है यहाँ कन्या पूजन,नारी को माँ के रूप मे माना गया है,यही संस्कृति नारी सम्मान और शक्ति की प्रतिक है।डॉ. सुधाकर मिश्र ने सरकार के उद्देश्यों को स्मरण करते हुए कहा कि आज उत्तर प्रदेश सरकार महिलाओं के स्वास्थ्य स्वावलंबन तथा जीवन मूल्यों के प्रति कटिबद्ध है।मुख्य अतिथि प्रो विधु द्विवेदी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज हमें प्रत्येक स्तर पर अपने अधिकारों को पाने के लिए सजग रहना होगा। हमें प्रतिकार करना सीखना होगा। नारी शक्ति को स्वंय पहचानना होगा,सदैव भारतीय संस्कृति मे निहित नारी की शक्ति को सदैव याद दिलाना होगा। उक्त कार्यक्रम में डॉ विद्या कुमारी चंद्रा ने विश्वविद्यालय में महिलाओं के लिए मूलभूत आवश्यकताओं पर प्रकाश डालते हुये कहा कि महिलाओं आगे आकर अपनी बात सदैव रखनी चाहिये,किसी भी ज़ुल्म को सहना अपराध है।विश्वविद्यालय की महिला कर्मचारियों ने भी विश्वविद्यालय में होने वाली असुविधा को लिखित रूप में समिति को अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन तथा स्वागत डॉ विद्या कुमारी चंद्रा, धन्यवाद ज्ञापन डॉ विजेंद्र आर्य ने किया। कार्यक्रम में डॉ विजय पांडे, डॉ. रेनू द्विवेदी, डॉ. राजा पाठक, डॉ. मधुसूदन मिश्र तथा शताधिक छात्र एवं छात्राएं उपस्थित थे।

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय ,वाराणसी
गौरवशाली विद्वत्परम्परा के वृत्तचित्रों की शृंखला ३
निर्देशन
विद्वद्वैभवपरम्परा
(वसन्तपंचमी के पुनीत अवसर पर)
संयोजन
प्रो. राजाराम शुक्ल
कुलपति
सं.सं.वि.वि.वाराणसी।
डॉ. मधुसूदन मिश्र
सहायकाचार्य(ज्योतिष विभाग)
सं.सं.वि.वि.वाराणसी।
facebook
Facebook.com/VCSSVVOfficial
YouTube
SSVVOFFICIAL
दिनांक
१६.०२.२०२१
मंगलवार
सायम्
०४:००
महामहोपाध्याय पं. श्री दामोदर शास्त्री

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय,वाराणसी
वेदविज्ञानव्याख्यानमाला-३७
Facebook.com/VCSSVVOfficial
साहित्यशास्त्र :
अभिनव स्थापनाएँ
f LIVE
प्रो. सदाशिव कुमार द्विवेदी
आचार्य,संस्कृत विभाग, कला संकाय
एवं
समन्वयक, भारत अध्ययन केन्द्र
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
दिनांक- ११/०२/२०२१
समय - ६:०० सायम्
आयोजक- वेदविज्ञान अनुसन्धान केन्द्र

काव्यकल्लोलिनी
आमन्त्रिताः कवयः
डॉ. शैलेशकुमारः तिवारी
उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय
डा : अरविंद तिवारी
परिकल्पकः अमरवाणीकविपरिषदः बागपतम्
डॉ. राजकुमारः मिश्रः
हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ
डॉ. राधावल्लभः शर्मा
हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ
डॉ. शशिकान्तः तिवारी
उच्चतर माध्यमिकविद्यालय जलालपुर बाजार सारण बिहार
डॉ. केशव पोखेल
सरकारी संस्कृत महाविद्यालय
साम्दोङ् पूर्व सिक्किम ।
डॉ अम्बरीश कुमार मिश्र
सहायक प्राचार्य (असिस्टेंट प्रोफेसर) व्याकरण
भरत मिश्र संस्कृत महाविद्यालय छपरा (बिहार)

# साध्य का विरोध ही नहीं अपितु हेतु का विरोध भी आवश्यक-कुलपति

वाराणसी (काशीवार्ता)। सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय में आयोजित सात दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय वेब कार्यशाला के अन्तिम दिन रविवार को तिरुपति राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रो.कुप्पा विश्वनाथ शर्मा ने कहा की बाध नामक हेत्वाभास एक महान दोष कहा जाता है। यह अनुमिति रुपी कार्य का प्रतिबन्धक होता है। कहा कि समस्त पृथ्वी में गन्ध नामक गुण रहता है परंतु जो घट उत्पन्न हो हुआ उसमें गन्ध नहीं माना जाता है। अतः घट में गन्ध की सिद्धि करने पर बोध दोष होता है। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुये कुलपति प्रो.राजाराम शुक्ल ने कहाकि दोष का ज्ञान इसलिये जरुरी है ताकि उसे त्यागा जा सके। केवल साध्य का विरोध ही नहीं अपितु हेतु का विरोध भी आवश्यक है।

कार्यशाला के समापन पर कुलपति ने कहाकि ऐसे कार्यशाला होते रहने से विषयगत स्थितियाँ स्पष्ट होती हैं। साथ ही अन्वेशित भाव भी जागृत होता है। कार्यशाला में देश विदेश के युवाओं ने प्रतिभाग कर निश्चित ही शास्त्रों के प्रति अपने जिज्ञासा को शान्त करने का प्रयास किया। प्रो रामपूजन पांडेय ने सभी का स्वागत और धन्यवाद व्यक्त किया। कहाकि आज विद्यार्थियों को ऐसे कार्यशालाओं की आवश्यकता है। कार्यक्रम का संचालन डा. कुन्ज बिहारी द्विवेदी ने तथा धन्यवाद डॉ दुर्गेश पाठक ने किया।

## सात दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय वेब कार्यशाला में कई देशों के प्रतिभागियों ने किया प्रतिभाग

## श्रमिक स्पेशल व बसों से बलिया पहुंचे प्रवासी कामगार

बलिया। उनके चेहरे सफर की दुर्दशा की कहानी बयां कर रहे थे, उन्हें देखने से ऐसा लग रहा था, मानो वे महीनों से भूखे-प्यासे हों। रविवार को दिल्ली, पंजाब, महाराष्ट्र से आने वाली श्रमिक स्पेशल ट्रेनों से 550 प्रवासी कामगार बलिया पहुंचे। इन कामगारों ने यात्रा की व्यथा बयां की। सुरेमनपुर के राम दरश ने बताया कि ट्रेन में सवार अधिकतर श्रमिक चैनपुलिंग कर रास्ते में ही कहीं उतर गए।

# दोष का ज्ञान जरुरी है ताकि उसे त्यागा जा सके–कुलपति

● अन्तर्राष्ट्रीय वेब कार्यशाला के समापन और अन्तिम दिन

**चेतना समाचार सेवा**

**वाराणसी।** सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी में आज न्याय वैशेषिक विभाग के अन्तर्गत न्याय सिद्धांतमुक्तावल्या अनुमान खण्ड विषय पर सात दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय स्वाध्याय वेब कार्यशाला के सातवें दिन समापन दिवस प्रशिक्षक एवं वक्ता के रुप में राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालयएतिरुपति से न्याय शास्त्र के विभागाध्यक्ष एवं प्रसिद्ध न्याय शास्त्री प्रो कृष्ण विश्वनाथ शर्मा ने कहा की बाध नामक हेत्वाभास एक महान दोष कहा जाता है यह अनुमिति रुपी कार्य का प्रतिबन्धक होता है।

प्रो शर्मा ने उदहारण देते हुये कहा कि समस्त पृथ्वी में गन्ध नामक गुण रहता है परंतु जो घट अभी उत्पन्न ही हुआ है उसमें गन्ध नहीं माना जाता है अतःवैसे घट में गन्ध की सिद्धि करने पर बाध दोष होता है।

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुये न्याय शास्त्र के उद्भट्ट विद्वान एवं कुलपति प्रो राजाराम शुक्ल ने कहा कि दोष का ज्ञान इसलिये जरुरी है ताकि उसे त्यागा जा सके। सत्प्रतिपक्ष की व्याख्या करते हुये उन्होंने कहा कि विरुद्ध हेतु के होने सत्प्रतिपक्ष होता है यानी केवल साध्य का विरोध ही नहीं अपितु हेतु का विरोध भी आवश्यक है। आज विद्यार्थियों को ऐसे कार्यशालाओं का अनवरत आवश्यकता है। संचालन विभाग के सह आचार्य डॉ कुन्ज बिहारी द्विवेदी ने किया तथा धन्यवाद डॉ दुर्गेश पाठक ने किया। आज देश विदेश के अधिकतर युवा विद्वानों ने प्रतिभाग किया जिसमें कनाडा,मारीशस,न्यूजीलैण्ड नेपाल, तिब्बत, बिहार,महाराष्ट्र बेंगलूर, उड़ीसा, भोपाल, उत्तरांचल, केरल, गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा,हिमांचल आदि प्रदेशों के लोगों रहे।

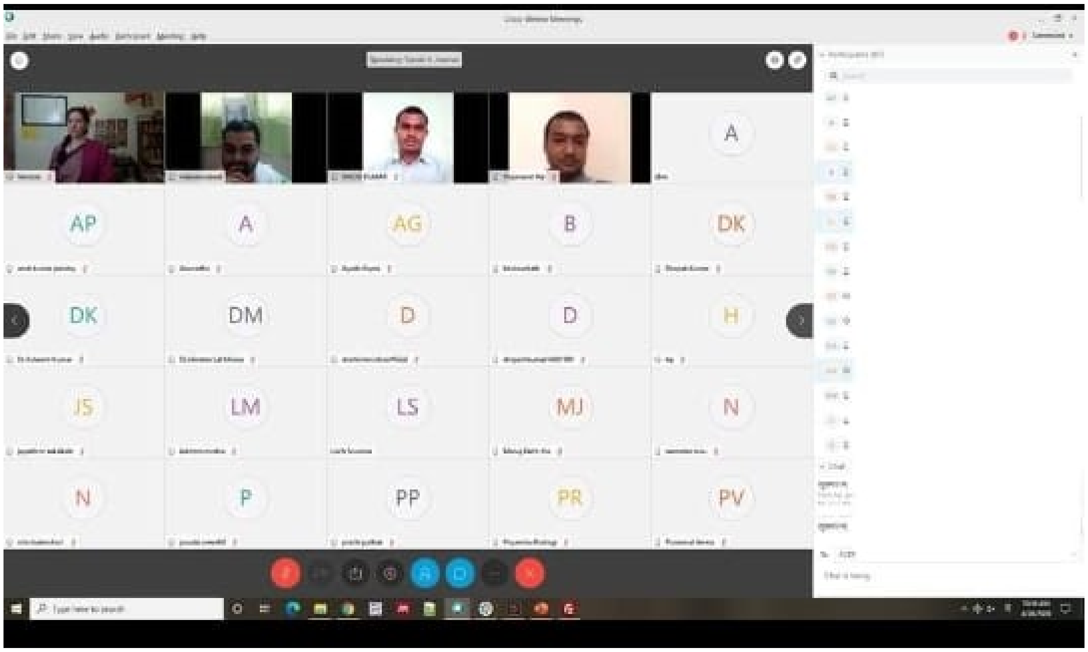


Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi